ASEAN-INDIA COMMEMORATIVE SUMMIT 2018

The Association of South-East Asian Nations (ASEAN) comprises of Indonesia, Singapore, Philippines, Malaysia, Brunei Darussalam, Thailand, Cambodia, Lao PDR, Myanmar and Viet Nam. India's focus on a strengthened and multi-faceted relationship with ASEAN is an outcome of the significant changes in the world's political and economic scenario since the early 1990s. India's search for economic space resulted in the 'Look East Policy'. The Look East Policy has today matured into a dynamic and action oriented 'Act East Policy'.

India is hosting the ASEAN-India Commemorative Summit 2018 in New Delhi. The theme for the Commemorative Summit, 'Shared Values, Common Destiny', has been displayed in the series of the 11 stamps, which have been conceptualized to thread together our historical and civilizational links that date back to over two millennia. These shared linkages which find numerous examples in texts, folklore, festivals, architecture, literature, dance-forms, music, religion, culture, motifs, symbols and everyday life may seem as quotidian, they however, are subtle reminders of a deep and enduring bond built on trust, respect and tolerance for diversity. Among these linkages, is the Ramayana, the ancient Indian text, that has its representations and interpretations in variety of dance, ballet and theatre art forms across almost all ASEAN member states, binding and connecting our common heritage.

Below is a brief description of the eleven individual stamps:

Brunei Darussalam: Menyembah, the Bruneian greeting usually offered to Royalty which is akin to the Indian Namaskar is depicted in the stamp. The mudras or hand gestures found in dance forms across Southeast Asia are a distinct and recognizable connect.

Cambodia: The scene portraying the attack of the monkey warriors on Ravana's brother Kumbha karan, engraved on the walls of the Angkor Wat Temple complex, is depicted in the stamp.

Indonesia: The Indonesian version of the Ramayana was believed to be written during the Medang Kingdom (732-1006 AD) in Central Java. Also known as the Kakawin Ramayana, its depiction has been considered to be of great artistic expression and is very well known.

Lao PDR: Phralak Phralam, the title referring to the brothers Lord Rama and Lakshamana, is the national epic of Lao PDR, that also boasts of significant Buddhist influences. Notably popular in Phralak Phralam is the depiction of Hanumana, representative of strength, agility, devotion, and intelligence.

Malaysia: A key milestone that represents the Indian-Malaysian heritage connect is the Torana Gate, a gift from the Government of India to the Government of Malaysia in 2015. The Torana, an elaborate gateway, is usually depicted in Buddhist, Hindu and Jain worship places. The Gate, with both Hindu and Buddhist influences, depicts the Jatakas (stories of the previous birth) of Gautama Buddha.

Myanmar: Yama Zatdaw, an adaptation of the Ramayana, is prevalent in Myanmar. Yama translates as Lord Rama and Yamayana is the equivalent of the Ramayana, while Zatdaw refers to the play enactment or part of the jataka tales. The storyline under Yama Zatdaw is true to its core with added Myanmar traditions, cultures, costumes, and customs noticeably producing a beautiful rendition of the epic.

Philippines: The scene depicted is from the famous and graceful dance form, Singkil, that is derived from the Darangen, an adaptation of the Ramayana. The lead dancer, a lady in the role of Putri Gandingan, graciously steps in and out of closing bamboo poles arranged in either a parallel, rectangular, or criss-cross fashion while manipulating either apir (fans), mosala (scarves), or even just their bare hands. It is a popular dance performed during celebrations and other festive entertainment.

Singapore: The Sri Mariamman Temple is Singapore's oldest Hindu temple founded in 1827. The temple is symbolic of India's relation with Singapore that transcends beyond just economic relations. The other image is of a gold earring that was found in South India and is currently housed at the Indian Heritage Centre, Singapore. It bears a lion or "singha" motif, tying back to its origins in Singapore. The lion is an important symbol in the narrative of Indian interactions with Southeast Asia and the island of Singapore (previously known as Singapura) derives its name from the Indic word simha or singha.

Thailand: The stamp is a pictorial representation of Khon, a traditional dance-drama genre from Thailand that derives from the Ramakien, an adaptation of the Ramayana. The show features athletic dance moves, traditional singing, and all dancers in masks forcing them to elucidate purely through movement. The other image depicted is of the Thai Hanuman, the most popular and recognisable character in the country.

Viet Nam: The Kate Festival is the largest traditional festival of Viet Nam's Cham Brahman people celebrated in Ninh Thuan province and recognized by Viet Nam as a National Intangible Cultural Heritage. It is celebrated for the Cham to express their gratitude to their ancestors. The Cham Temple tower, depicted in the background, is from the Champa civilization of central Viet Nam and part of the My Son temple sanctuary, dating back to 4th century AD, dedicated to the worship of Lord Shiva. Government of India is helping restore portions of the My Son complex.

India: Scene of Rama – Sita Swayamvar is depicted in Pattam Katha, cloth-based scroll painting from Andhra Pradesh (Source – Indira Gandhi National Centre for the Arts).

Department of Posts is pleased to issue a set of 11 Commemorative Postage Stamps on ASEAN-INDIA COMMEMORATIVE SUMMIT 2018 on the occasion of 25th anniversary of ASEAN-India Dialogue Partnership.

Credits:-

Text	: Based on the information received from Ministry of External Affairs
Stamps/Miniature Sheet/Sheetlets/ First Day Cover/Brochure	: Shri Sankha Samantha
Cancellation Cachet	Smt. Alka Sharma

भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS

asean india
PROGRESS & PROSPERITY

विवरणिका

BROCHURE

आसियान-भारत मैत्री रजत जयंती शिखर सम्मेलन 2018

ASEAN-INDIA COMMEMORATIVE SUMMIT 2018

आसियान - भारत मैत्री रजत जयंती शिखर सम्मेलन 2018

दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों के संघ (आसियान) में इंडोनेशिया, सिंगापुर, फिलीपीन्स, मलेशिया, ब्रूनेई दारुस्सलाम, थाईलैण्ड, कम्बोडिया, लाओ पीडीआर, म्यान्मार और वियतनाम शामिल हैं। 1990 के दशक की शुरुआत के बाद से अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक और आर्थिक परिस्थितियों में महत्वपूर्ण बदलावों के परिणामस्वरूप भारत ने आसियान देशों के साथ अपने संबंधों को सुदृढ़ और बहुआयामी बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है। आर्थिक जगत में स्वयं को स्थापित करने के उद्देश्य से भारत ने 'लुक ईस्ट पॉलिसी' बनाई। समय के साथ यह नीति परिपक्व हुई है और सक्रियतापूर्ण भागीदारी के नए आयामों को शामिल करते हुए अब यह 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' का रूप धारण कर चुकी है।

भारत, आसियान-भारत मैत्री रजत जयंती शिखर सम्मेलन, 2018 की मेज़बानी नई दिल्ली में कर रहा है। इस स्मारक शिखर सम्मेलन का विषय है 'साझा सिद्धांत, साझा भविष्य' (शेयर्ड वैल्यूज़, कॉमन डेस्टिनी)। इस विषय को 11 डाक-टिकटों की श्रृंखला में दृश्यांकित किया गया है। इन डाक-टिकटों की परिकल्पना इस प्रकार की गई है कि इनके माध्यम से हमारे दो सहस्त्राब्दी पुराने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को एक सूत्र में पिरोया गया है। इन प्राचीन सभ्यताओं के आपसी संबंधों की मिसालें हमें ग्रंथों, लोक कथाओं, उत्सवों, वास्तुशैलियों, साहित्य, नृत्य शैलियों, संगीत, धर्म, संस्कृति, महीन प्रतिरूपों, चिह्नों के रूप में देखने को मिलती हैं। ये सभी, उन गहरे और सुदृढ़ संबंधों का प्रमाण हैं, जो विश्वास, सम्मान और विविधता के प्रति सहिष्णुता पर आधारित हैं। आपसी संबंधों के इन सेतुओं में रामायण भी शामिल है। इस महान प्राचीन ग्रंथ के विविध रूप और व्याख्याएं हमें आसियान के लगभग सभी सदस्य देशों की नृत्य शैलियों, बैले और नाट्य कलाओं में देखने को मिलती हैं और यह हमारी साझा विरासत की मजबूत कड़ी है।

इन 11 विभिन्न डाक-टिकटों का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:-

ब्रूनेई दारुस्सलाम : डाक-टिकट पर अंकित मन्यम्बाह, ब्रूनेई का अभिवादन है, जोकि भारतीय नमस्कार के समान है। मेनयेंबा, शाही लोगों के प्रति सम्मान का सूचक है। समस्त दक्षिण-पूर्व एशिया की नृत्य शैलियों में हस्त मुद्राओं का विशिष्ट स्थान है और हमारी सांस्कृतिक साझेदारी की याद दिलाता है।

कम्बोडिया : डाक-टिकट पर रावण के भाई कुम्भकरण (कोम्फका) पर वानर सेना के आक्रमण का दृश्य अंकित किया गया है। यह दृश्य, अंगकोरवाट मंदिर परिसर की दीवारों पर उत्कीर्ण है।

इंडोनेशिया : मान्यता है कि रामायण के इंडोनेशियाई संस्करण की रचना मध्य जावा के मेडांग साम्राज्यकाल के दौरान (732-1006 ई.) की गई। रामायण की इस शैली को काकाविन रामायाना भी कहा जाता है। यह शैली अपनी महान कलात्मक अभिव्यक्ति के लिए सुप्रसिद्ध है।

लाओ पी०डी०आर० : फ्रलक फ्रलाम, लाओ पीडीआर का राष्ट्रीय महाकाव्य है। इसके शीर्षक का तात्पर्य भगवान राम और लक्ष्मण से है। इस रचना पर बौद्ध शैली का भी काफी प्रभाव है। फ्रलक फ्रलाम में सबसे लोकप्रिय चरित्र अंकन हनुमान का है, जिन्हें शक्ति, चपलता, भक्ति और बुद्धिमता का प्रतीक बताया गया है।

मलेशिया : भारत और मलेशिया के विरासती संबंध का एक महत्वपूर्ण स्थल तोरण द्वार है। यह द्वार, भारत सरकार द्वारा मलेशिया सरकार को 2015 में उपहारस्वरूप दिया गया था। तोरण, महीन कलाकारी से सजा ऐसा द्वार है, जो सामान्यत: बौद्ध, हिन्दू और जैन मंदिरों में स्थापित होता है। इस तोरण द्वार पर हिन्दू और बौद्ध, दोनों ही शैलियों का प्रभाव है। इस पर गौतम बुद्ध की जातक कथाएं (पूर्व जन्म की कहानियां) अंकित हैं।

म्यान्मार : म्यान्मार में प्रचलित यामा ज़ातव, रामायण पर आधारित है। यामा का अर्थ है भगवान राम और यामायण का अर्थ है रामायण। ज़ातव का अर्थ है जातक कथाओं अथवा उसके किसी भाग का नाट्य प्रस्तुतीकरण। यामा ज़ातव का कथानक पूर्णत: रामायण पर आधारित है। परंतु इसमें म्यान्मार की परंपराओं, संस्कृति, वेश-भूषा और रीति-रिवाजों के रंग भी भरे गए हैं, जिससे यह पूरी प्रस्तुति अत्यंत मोहक बन उठती है।

फिलीपीन्स : प्रदर्शित दृश्य सिंगिकल नामक प्रसिद्ध और सुंदर नृत्य शैली का है। इस नृत्य शैली का विकास दरांगेन से हुआ है, जो रामायण पर आधारित है। इस शैली के अंतर्गत मुख्य नर्तकी, पुत्री गैंडीगन की भूमिका में होती है। यह नर्तकी समानांतर, आयताकार अथवा आड़ी-तिरछी रखी गई बांस की बल्लियों के अंदर-बाहर कदम रखते हुए नृत्य करती है और ऐसा करते हुए एपिर (पंखों), मोसला (स्कार्फ) या केवल अपने हाथों को अत्यंत मोहक अंदाज में घुमाती है। यह लोकप्रिय नृत्य विशेष अवसरों पर मनोरंजन हेतु और पर्व-त्यौहारों के मौके पर किया जाता है।

सिंगापुर : श्री मरियम्मन मंदिर, सिंगापुर का सबसे पुराना हिन्दू मंदिर है। इसकी स्थापना 1827 में हुई। यह मंदिर भारत और सिंगापुर के संबंधों का प्रतीक है। दोनों देशों के आपसी तालमेल का दायरा मात्र आर्थिक संबंधों तक सीमित नहीं है। दूसरा चित्र सोने की एक बाली का है। यह बाली दक्षिण भारत में पाई गई थी तथा फिलहाल भारतीय धरोहर केंद्र, सिंगापुर में रखी गई है। इस बाली पर सिंह का प्रतिरूप अंकित है, जो सिंगापुर के उद्भव काल का द्योतक है। भारत और दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों के बीच संवाद संपर्क के परिप्रेक्ष्य में सिंह एक महत्वपूर्ण प्रतीक चिह्न रहा है और सिंगापुर द्वीप (जिसे पहले सिंगापुरा कहा जाता था) का नाम भारतीय शब्द सिंह से ही उद्भृत है।

थाईलैण्ड : इस पर खोन का चित्रांकन है, जो थाईलैण्ड की महत्वपूर्ण नृत्य-नाट्य शैली है। यह शैली रामाकियेन पर आधारित है, जो रामायण का ही रूप है। मूल रामायण पर आधारित इस अनूठी नृत्य-नाट्य प्रस्तुति में कलाकार प्रबल नृत्य मुद्राओं और पारंपरिक गायन का प्रदर्शन करते हैं और चूंकि सभी नर्तक मुखौटे पहने होते हैं, इसलिए उन्हें अपनी भावाभिव्यक्ति केवल मुद्राओं के जरिए करनी होती है। इस डाक-टिकट पर अंकित दूसरा चित्र थाई हनुमान का है, जोकि वहां के सबसे लोकप्रिय पात्र हैं।

वियतनाम : ले होइ काते, वियतनाम के चाम ब्राह्मण लोगों का विशालतम पारंपरिक पर्व है। इसे निन्ह थुआन प्रांत के लोग मनाते हैं। इस पर्व को वियतनाम के राष्ट्रीय अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर (नेशनल इनटेंजिबल कल्चरल हेरिटेज) द्वारा मान्यता प्राप्त है। यह पर्व चाम लोगों द्वारा अपने पूर्वजों के प्रति आभार व्यक्त करने हेतु मनाया जाता है। डाक-टिकट की पृष्ठभूमि में चाम मंदिर की मीनार का अंकन है। यह मीनार, मध्य वियतनाम की चंपा सभ्यता से संबद्ध है और माई सन मंदिर परिसर का हिस्सा है। चौथी शताब्दी ई. में निर्मित यह मंदिर परिसर, भगवान शिव की अराधना को समर्पित है। भारत सरकार माई सन परिसर के कुछ हिस्सों के पुनरुद्धार कार्य में सहयोग कर रही है।

भारत : पट्टम कथा शैली में अंकित राम-सीता के स्वयंवर का दृश्य। कपड़े पर की जाने वाली चित्रकारी की यह शैली आंध्र प्रदेश की है। (स्रोत - इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर आर्ट्स)

डाक विभाग आसियान-भारत वार्ता भागीदारी की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर आसियान - भारत मैत्री रजत जयंती शिखर सम्मेलन 2018 पर 11 स्मारक डाक-टिकटों का एक सेट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार:-

पाठ	:	विदेश मंत्रालय से प्राप्त सामग्री पर आधारित
डाक टिकट/मिनियेचर शीट/ शीटलेट/प्रथम दिवस आवरण/विवरणिका	:	श्री शंख सामंत
विरूपण	:	श्रीमती अलका शर्मा

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग Denomination	:	500 पैसा (11) 500 p (11)
मुद्रित डाक टिकटें Stamps Printed	:	5.0 लाख प्रत्येक शीटलेट के रूप में 0.5 million each in the form of sheetlets
मुद्रिण मिनियेचर शीट Miniature Sheet Printed	:	110000 110000
मुद्रण प्रक्रिया Printing Process	:	वेट ऑफसेट Wet Offset
मुद्रक Printer	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

मूल्य ₹ 5.00